

फर्द अहकाम

(नियम 26)

३५३९०५ वाणिज्यी मुकाम टोंक
 राजूलाल बनाम श्यामाबाय
 भा.पत्र ११ नं. १५७ सन् २०१९

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तारीख में जारी हुए
<p>प्रार्थीगण/वादीगण ने जरिये अभिभाषक प्रार्थना-पत्र/वादपत्र पेश किया। वकील प्रार्थी/वादी को सुना तथा प्रार्थना-पत्र/वादपत्र का अवलोकन किया गया। प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जावे। प्रतिपक्षीगण/प्रतिवादीगण की तलबी हेतु नोटिस/सम्मन जारी किया जाकर पत्रावली दिनांक 12/11/20 को पेश हो।</p>	
<p>11/20 करीम खापी 36 प्रतिवादीगण 20/11/20 को टोंक प्रार्थना-पत्र/वादपत्र पेश करके प्रकरण दर्ज कराया जावे। प्रतिपक्षीगण/प्रतिवादीगण की तलबी हेतु नोटिस/सम्मन जारी किया जाकर पत्रावली दिनांक 20/11/20 को पेश हो।</p>	<p>उपखण्ड अधिकारी, टोंक</p>
<p>20/11/20 करीम खापी 36 कसूर के फलस्वरूप प्रतिवादीगण 20/11/20 को टोंक प्रार्थना-पत्र/वादपत्र पेश करके प्रकरण दर्ज कराया जावे। प्रतिपक्षीगण/प्रतिवादीगण की तलबी हेतु नोटिस/सम्मन जारी किया जाकर पत्रावली दिनांक 20/11/20 को पेश हो।</p>	<p>उपखण्ड अधिकारी टोंक (साजो)</p>
<p>30/11/20 करीम खापी के हस्तक्षेप कसूर कुबीलीय पत्रावली के फलस्वरूप प्रतिवादीगण 30/11/20 को टोंक प्रार्थना-पत्र/वादपत्र पेश करके प्रकरण दर्ज कराया जावे। प्रतिपक्षीगण/प्रतिवादीगण की तलबी हेतु नोटिस/सम्मन जारी किया जाकर पत्रावली दिनांक 30/11/20 को पेश हो।</p>	<p>उपखण्ड अधिकारी टोंक (साजो)</p>

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज

हुक्मानुसार उपरोक्त विधिपर कार्रवाई करने के
उपरांत भी इस के विरुद्ध कोई अपील या
की अवगत कराया गे प्रतिकारी-। ई नोट
होने से यह विधिपर आयादा है।
सही स्थिति में बिना ही कल्पने से बिना
जाप्रीकरण का अधिकार सुरक्षित किया जाना
जा रहा है।

अतः जाप्रीकरण से इस के विरुद्ध तब
जाप्रीकरण गे स्वीकार किया जाना प्रतिकारीको
के विरुद्ध अपीलारी बिना प्रस्ताव कम वादके
बिना तब पावन किया जाता है कि वह
जाप्रीकरण से इस के विरुद्ध की शर्त में किसी
उपरोक्त के प्रस्तावना परास्त नहीं रहे कि
इसके।

इस वाद के विधि तब परान्त रहे। जाप्रीकरण
जाप्रीकरण के तब नया से कर्मका।

21
(सुनील लाल जेमा)
R
उपखण्ड अधिकारी
टोंक (राज्य)